चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (2024-28)

अर्थशास्त्र विभाग

कोर्स करिकुलम

खंड – अ : परिचय				
पाठ्यक्रम : बैचलर इन आर्ट्स (डिप्लोमा / डिग्री / आनर्स / आनर्स सह रिसर्च			**सेमेस्टर – III to VIII**	**सत्र – 2024-2025**
1	**कोर्स कूट**	ECSE – 01		
2	**कोर्स शीर्षक**	**अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र**		
3	**कोर्स प्रकार**	DSE		
4	**पूर्व अपेक्षित (यदि हो)**	आवश्यकता अनुरूप		
5	**कोर्स लर्निंग आउटकम (CLO)**	• यह पाठ्यक्रम छात्रों को विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांतों से परिचित कराता है • छात्र सीखेंगे कि कैसे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ने देशों को सस्ती कीमत पर सामान प्राप्त करने में मदद की है। • इसके अलावा, विदेशी मुद्रा बाजार में भुगतान संतुलन और विनिमय दर निर्धारण की अवधारणा को समझें।		
6	**क्रेडिट महत्व**	4 क्रेडिट	क्रेडिट = 15 घंटे का अध्ययन / प्रशिक्षण/ प्रवेक्षण	
7	**कुल अंक**	पूर्णांक - 100	उत्तीर्णांक - 40	

खंड – ब : कोर्स की विषयवस्तु

कुल अध्यापन कालखंड (01घंटा प्रति काल खंड) – 60 कालखंड (60 घंटे)

इकाई	**प्रसंग (विषय वस्तु)**	**कालखंड की संख्या**
I - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत	1. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की आवश्यकता एवं महत्व 2. मुक्त व्यापार एवं संरक्षण 3. पूर्ण लागत लाभ सिद्धांत 4. तुलनात्मक लागत लाभ सिद्धांत 5. व्यापार की शर्तें	**15**
II- भुगतान संतुलन	1. व्यापार संतुलन और भुगतान संतुलन की अवधारणा। 2. असंतुलन और भुगतान संतुलन को ठीक करने के उपाय। 3. भारत का विदेशी व्यापार। 4. भारत की विदेश व्यापार नीति	**15**
III- विदेशी मुद्रा और विनिमय दर	1. विदेशी विनिमय दरों का अर्थ 2. स्वर्ण मानक के अंतर्गत विदेशी विनिमय दर 3. क्रय शक्ति समता सिद्धांत। 4. विनिमय दर का आधुनिक सिद्धांत 5. विनिमय दर को नियंत्रित करने के तरीके	**15**
IV- वित्तीय संस्थाएँ	1. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और ब्रेटन वुड्स। 2. कोटा प्रणाली। 3. एसडीआर 4. विश्व बैंक समूह- आईबीआरडी, एडीबी, आईएफसी 5. बैंक समूहों के उद्देश्य एवं कार्य.	**15**

हस्ताक्षर, सदस्य एवं संयोजक (केंद्रीय अध्ययन मंडल)-

खंड – स : अध्ययन स्रोत / साधन

लेखक	शीर्षक	प्रकाशक
M L Jhingan	International Economics	Vrinda publications
M L Jhingan	अंतराष्ट्रीय अर्थशास्त्र	Vrinda publications
K N Verma	International Economics	Vishal Publications
M C Vaish-Sudama Singh	International Economics	Oxford
V C Sinha	International Economics	Sahitya Bhavan
T R Jain	International Economics	V K Global Publications

ऑनलाइन स्रोत :

1	http://heecontent.upsdc.gov.in/
2	https://epgp.inflibnet.ac.in/
3	https://swayam.gov.in/

खंड – द : आंकलन एवं मूल्यांकन

अनुशंसित सतत मूल्यांकन प्रविधि

पूर्णांक - अंक	सतत आंतरिक मूल्यांकन (CIA) : 30 अंक अंत सेमेस्टर परीक्षा (ESE): 70 अंक	
सतत आंतरिक मूल्यांकन (CIA) : (कोर्स शिक्षक द्वारा)	आंतरिक जाँच परीक्षा/ प्रश्नोत्तरी परीक्षा (दो) : 20 +20 कार्यभार / सेमिनार / उपस्थिति – 10 कुल अंक - 30	दोनों आंतरिक परीक्षा उच्चतर प्राप्तांक + कार्यभार में प्राप्तांक : 30 अंक के परिपेक्ष्य में अधिग्रहित किया जाएगा
अंत सेमेस्टर परीक्षा (ESE)	दो खंड - अ तथा ब खंड – अ : प्रश्न 1 – वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10x1= 10 अंक प्रश्न 2 – लघु उत्तरीय प्रश्न - 5x4=20 अंक खंड – ब : वर्णात्मक प्रकार के प्रश्न – 2 प्रति इकाई से (1-1 प्रश्न हल करना है) – 4x10 = 40 अंक	

हस्ताक्षर, सदस्य एवं संयोजक (केंद्रीय अध्ययन मंडल)-